सूखी कपास के भाव 76 सौ रुपए क्विंटल-बारिश के कारण कपास की पैदावार घटी, खैरथल में भाव ज्यादा

अलवर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। अलवर व खैरथल में कपास के भाव 77 सौ रुपए प्रति क्विंटल पहुंच गए हैं। अलवर से करीब 100 से 200 रुपए ज्यादा भाव खैरथल मंडी में हैं। अब अलवर मंडी में रोजाना करीब 2000 पोट रोजाना आती है। पहले गीली कपास आती रही, जिसके भाव भी 6 हजार के आस-पास ही रहे। अब भावों में तेजी है, जिससे किसानों को कुछ राहत मिली है।

अलवर कृषि उपज मंडी व्यापारी रामावतार गुप्ता ने बताया- इस बार बारिश के कारण 40 पर्सेंट तक कपास की खेती में नुकसान हो गया। बाद में गीली कपास निकाली। उसके भाव कम मिले। अब कुछ दिनों से बारिश नहीं होने से सूखी कपास आने लगी तो भाव 77 सौ रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं। जिससे किसानों को कुछ राहत मिली है। वरना इस बार कपास में 40 पर्सेंट तक नुकसान हो गया है। व्यापारी ने बताया कि अलवर मंडी की तुलना में खैरथल मंडी 100 से 200 रुपए के भाव का अंतर है। लेकिन अब कुछ दिन से यहां भी बराबर बोली लगने से भाव बढ़ गए हैं। असल में इस बार बारिश अधिक दिनों तक हुई। उस कारण खेती में नुकसान हो गया। बाद में गीली कपास तोड़नी पड़ी। इस कारण कम भाव रहे।

बजट घोषणाओं में आवंटित लक्ष्यों को समय पर पूरा कर किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाएं -आयुक्त कृषि

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल द्वारा माननीय मुख्यमंत्री की बजट घोषणाओं को ध्यान में रखते हुए भरतपुर का दौरा कर कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के खंड स्तरीय तथा जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आयुक्त कृषि ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभाग में डीएपी तथा अन्य उर्वरकों का वितरण निर्धारित दरों पर किया जाये, यदि कहीं अनियमितता पाई जाती है तो उसके विरुद्ध तुरंत अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए और ऐसे प्रकरणों की सूचना कृषि आयुक्तालय को दी जाए। उन्होंने अधिकारीयों से कहा कि फील्ड में नियमित निरीक्षण करते हुए प्रत्येक पंचायत समिति में कृषि आदानों की व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि किसानों को फसल बुवाई करते समय किसी तरह की असुविधा न हो। आयुक्त कृषि द्वारा उपस्थित स्टाफ को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि सरसों की फसल में डीएपी के स्थान पर सुपर फास्फेट का उपयोग सुनिश्चित करावें, इससे सरसों में तेल की मात्रा तथा गुणवत्ता में सुधार हो सकेगा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि क्रॉप कटिंग प्रयोगों का संपादन ऐप के माध्यम से ही सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सभी अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणाओं को प्राथमिकता से निस्तारित करते हुए सभी योजनाओं में आवंटित

लक्ष्यों को समय पर पूरा करावें। प्रगति समीक्षा के दौरान संयुक्त निदेशक उद्यान भरतपुर खंड ने बताया कि बजट घोषणा 2024-25 के द्वारा भरतपुर जिले में मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र खोला जाना प्रस्तावित है जिसके लिए 9.86 हेक्टेयर भूमि का चयन कर आवंटन के लिए कलक्टर के माध्यम से प्रमुख शासन सचिव राजस्व, जयपुर को निवेदन किया जा चुका है। बजट घोषणा के तहत राजस्थान के 100 किसानों को इजरायल तथा अन्य देशों में नोलेज एन्हांसमेंट कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा जाना है, इसी के तहत भरतपुर में 8 किसानों के विरुद्ध 12 किसानों के नाम मैरिट के आधार पर चयन कर भिजवाए जा चुके हैं। पीएम कुसुम योजनांतर्गत प्रगति सुनिश्चित की जा रही है तथा अन्य योजनाओं में भी आवंटित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सभी जिला स्तरीय अधिकारीयों को पाबंद किया गया है, ताकि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

संघ के पूर्व सरकार्यवाह बोले-जाति के आधार पर भेदभाव अपराध

कहा- किसी को छोटा-बड़ा, ऊंचा-नीचा मानने का अधिकार किसने दिया

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। देश में जातिगत जनगणना की चर्चा के बीच आज आरएसएस के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैय्याजी जोशी का बयान सामने आया है। भैय्याजी जोशी ने समाज में व्याप्त जातिगत व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। जयपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जयपुर महानगर द्वारा आयोजित विजयदशमी उत्सव एवं पथ संचलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैय्याजी जोशी ने कहा- जाति के आधार पर छोटा बड़ा मानना, इससे बड़ा अपराध क्या हो सकता हैं?

उन्होंने कहा- किसी को छोटा-बड़ा, ऊंचा-नीचा मानने का अधिकार किसने दिया। गलत भावनाएं जब विस्तृत रूप में फैलती है तो उसका विशाल रूप बनता है। दुर्भाग्य से भारत में अपनी जाति विरोधियों के बीच जो खाई है, उस खाई को दूर करने का प्रयास करना होगा।

हिंदुओं के बीच एकता की वकालत

भैय्याजी जोशी ने कहा- जन्म के आधार पर जातियां तय होती है। हमको हमारा नाम मिलता है, हमारी भाषा मिलती है। भगवान मिलते हैं, धर्म के ग्रंथ मिलते हैं। हम कई तरह के महापुरुषों के वंशज कहलाते हैं, क्या वो किसी एक जाति के कारण हैं? क्या कोई कह सकता है कि हरिद्वार कौन सी जाति का है? क्या हमारे 12 ज्योतिर्लिंग किसी जाति के हैं? क्या इस देश के कोने-कोने पर स्थापित 51 शक्तिपीठ किसी जाति के हैं? इस देश की चारों दिशाओं में रहने वाला जो अपने आप को हिंदू मानता है, वो इन सब बातों को अपना मानता है। फिर भेद कहां है?

जिस तरह से राज्य की सीमाएं हमारे बीच कोई विभाजन पैदा नहीं कर सकती है। उसी तरह जन्म पर आधारित चीजें हमें विभाजित नहीं कर सकती हैं। यदि कोई गलत धारणा है तो उसे बदला जाना चाहिए। यदि कोई भ्रम या बेकार अहंकार है। उसे समाप्त करते हुए हम सब एक समाज के अंग हैं।

दुनिया के देश भारत को बाजार समझते हैं

भैय्याजी जोशी ने कहा- प्रधानमंत्री लोकल के लिए वोकल होने की बात कहते हैं। आज जाने-अनजाने में हम बहु राष्ट्रीय कंपनियों के ग्राहक बन गए हैं। दुनिया के अन्य देश भारत को बाजार समझते हैं। 140 करोड़ का देश है, इसके मार्केट में जो भी डालो हम पैसा कमाएंगे। क्या भारत ऐसा ही रहेगा या भारत अपने पैरों पर खड़ा होकर अपनी पहचान बनाएगा। मैं समझता हूं की देशभक्ति के भाव से सामान्य जन खड़े होकर अपने आचरण के प्रति सजग होते जाए।

देश में सफाई के लिए अभियान चलाना पड़ता है

उन्होंने कहा- आज हमें एक नागरिक के नाते मिले हुए अधिकार और कर्तव्यों को समझने की आवश्यकता है। दुनिया में कहीं भी देश को साफ सुथरा रखने के लिए विज्ञापन नहीं लगते हैं, कोई आह्वान नहीं होता है। वहां सामान्य व्यक्ति जागरूक रहकर अपना परिसर अपना देश साफ-सुथरा रखता है। यहां पर स्वच्छ भारत को लेकर अभियान चलाना पड़ता है। फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उसे वचन का स्मरण होता है कि जिस दिन इस देश का हर व्यक्ति यह संकल्प लेगा कि मैं गंदगी नहीं करूंगा तो साफ सुथरा होने में कितना समय लगेगा। उन्होंने कहा कि देश में चुनाव होते हैं, संविधान ने हमको मतदान का अधिकार दिया है। भारत के पढ़े लिखे लोग हैं, फिर देश में क्यों शत प्रतिशत मतदान नहीं होता है। जबकि मतदान तो हर व्यक्ति का अपना अधिकार है।

स्वच्छता में जनभागीदारी बढ़ाने हेतु स्टेशनों पर स्वच्छता चौपाल

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ श्री सतीश कुमार ने दिया निर्देश, देश के सभी स्टेशनों पर लगाए जाएं स्वच्छता चौपाल

स्वच्छता चौपाल के माध्यम से समावेशिता एवं वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा जैसे मुद्दों दिया जाएगा ध्यान

नईदिल्ली, 11 अक्टूबर (का.सं.)। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान 4.0 के तहत रेलवे में स्वच्छता अभियान की सफलता हेतु रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने सभी महाप्रबंधकों एवं मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देश दिया कि विशेष अभियान 4.0 के तहत देश के सभी स्टेशनों पर स्वच्छता चौपाल लगाए जाएं। चौपाल में जन प्रतिनिधियों, ग्राम पंचायत एवं शहरी निकाय के प्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों को आमंत्रित कर स्टेशन की स्वच्छता में बेहतरी हेतु सुझाव लिए जाएं जिससे स्वच्छता अभियान में जन भागीदारी को सुनिश्चित किया जा सके।

इस बैठक में रेलवे बोर्ड की सचिव अरूणा नायर, कार्यकारी निदेशक पब्लिक ग्रिवांसेज रत्नेश झा एवं समस्त जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों की उपस्थिति रही। इस दौरान श्री रत्नेश झा द्वारा आगामी कार्यों व उद्देश्यों के संबंध में भी रेलवे अधिकारियों के साथ जानकारी साझा की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता चौपाल के माध्यम से समावेशिता को प्राथमिकता देते हुए कार्यस्थलों की स्वच्छता एवं वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा जैसे मुद्दों पर ध्यान देना है। इस विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत दक्षता को बढ़ाते हुए संचालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा रहा है, जिससे समय एवं लागत दोनों में कमी आएगी। डेटा प्रबंधन में सुधार के साथ, डेटा संग्रह, विश्लेषण और भंडारण की प्रक्रिया को बेहतर बनाया जा रहा है। डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से जानकारी और सेवाओं की सुलभता बढ़ाई जा रही है, जो नवाचार नए व्यावसायिक मॉडलों एवं सेवाओं को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त ऑटोमेशन **(Automation)** से विभिन्न कार्यों में तेजी व कुशलता लाने में मदद मिलेगी।

विशेष अभियान 4.0 का दूसरा चरण 2 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक चलाया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता है, जिसके तहत यात्रियों के साथ सीधा संवाद कर उन्हें साफ-सफाई, रेलवे सुरक्षा एवं रेलवे परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही, यात्रियों व स्थानीय जनता से संबंधित सुविधाओं, समस्याओं के संबंध में जानकारी लेकर भारतीय रेल उनमें सुधार की ओर अग्रसर होगा।

जयपुर में FIR चुराकर ठग रहा था बदमाश

अफसर बनकर केस में मदद का देता झांसा, डरा-धमकाकर वसूलता रुपए

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। जयपुर की मुरलीपुरा थाना पुलिस ने एक शातिर साइबर क्रिमिनल को अरेस्ट किया है। सीसीटीएनएस से **FIR** डाउनलोड कर पुलिस अफसर बनकर शातिर ठगी करता था। केस में मदद करने का झांसा देने के साथ ही डरा-धमकाकर ऑनलाइन रुपए वसूलता था। पुलिस को आरोपी के जब्त मोबाइल में 20 से अधिक **FIR** डाउनलोड मिली हैं। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

DCP (वेस्ट) अमित कुमार ने बताया- साइबर फ्रॉड में आरोपी राजेन्द्र प्रसाद मीणा (25) पुत्र मनमोहन मीणा निवासी राजगढ़ अलवर को अरेस्ट किया गया है। पुलिस ने वारदात करने में यूज किए उसके मोबाइल को भी जब्त किया है। जब्त मोबाइल में 20 से अधिक **FIR** डाउनलोड मिली है। पुलिस ने रुपए वसूली के लिए भेजे **QR** कोड का विश्लेषण कर आरोपी राजेन्द्र प्रसाद मीणा को दबिश देकर पकड़ा है।

अनुसंधान अधिकारी बनकर करता कॉन्टैक्ट

10 अक्टूबर को मुरलीपुरा थाने के कॉन्स्टेबल पूरण मल को मुखबिर से नए तरीके के साइबर क्राइम का पता चला। पुलिस के **CCTNS** पोर्टल पर दर्ज होने वाली **FIR** को कुछ व्यक्तियों की ओर से डाउनलोड की जाती है। डाउनलोड **FIR** से परिवादी के मोबाइल नंबर लेकर कॉन्टैक्ट किया जाता है। उनके केस का विशेष अनुसंधान अधिकारी बताकर मदद का झूठा आश्वासन देकर रुपयों की डिमांड करते हैं। आरोपी पक्ष से भी कॉन्टैक्ट कर डरा-धमकाकर ऑनलाइन रुपए की वसूली की जा रही है। दोनों पक्षों में राजीनाम करवाने की कहकर भी रुपए का सौदा करता था।

QR कोड से पकड़ में आया शातिर

मुरलीपुरा थाने के कॉन्स्टेबल पूरण मल की शिकायत पर **FIR** दर्ज की गई। जांच के दौरान सामने आया कि पिछले कुछ समय में महिला थाना (वेस्ट) में दर्ज कुछ मुकदमों के आरोपियों से अनुसंधान अधिकारी बनकर साइबर क्रिमिनल से कॉन्टैक्ट किया है। डरा-धमकाकर मुकदमे में कार्रवाई नहीं करने का झांसा देकर ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करवाए।

बांग्लादेश में मंदिर से मुकुट चोरी होने पर भारत चिंतित

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2021 में अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान जेशोरेश्वरी काली मंदिर को उपहार स्वरूप भेंट की गयी धार्मिक वस्तु की कथित चोरी के मामले में भारत ने बांग्लादेश से जांच करने का आग्रह किया है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में, ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने धार्मिक वस्तु की चोरी पर गहरी चिंता व्यक्त की तथा अधिकारियों से उसे बरामद करने और तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया।

इसमें कहा गया, ''हमने 2021 में बांग्लादेश यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जेशोरेश्वरी काली मंदिर (सतखीरा) में भेंट किए गए मुकुट की चोरी की खबरें देखी हैं।'' इसमें कहा गया है, ''हम गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और बांग्लादेश सरकार से चोरी की जांच करने, मुकुट को बरामद करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।'' भारत सरकार के सूत्रों ने बताया कि चोरी की इस कथित घटना से नई दिल्ली बहुत चिंतित है।

योगी ने शारदीय नवरात्र की नवमी को कुंवारी कन्याओं का पूजन किया

गोरखपुर, 11 अक्टूबर (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया।

एक बयान के मुताबिक, शुक्रवार को गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर स्थित अपने आवास परिसर के प्रथम तल पर परंपरागत रूप से पीतल के परात में जल से सभी नौ कुंवारी कन्याओं के बारी-बारी पांव धोये, उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत और शक्तिपीठ की वेदी पर उगाई गई जई का तिलक लगाया।

बयान के अनुसार, उन्होंने अनुष्ठान के तौर पर नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी तथा उनसे आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का प्यार-दुलार पाकर नन्हीं बालिकाओं व बटुकों की प्रसन्नता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक-एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया। पूजन के बाद भोजन परोसते समय मुख्यमंत्री निरंतर संवाद भी करते रहे। पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, द्वारका तिवारी, वीरेंद्र सिंह, दुर्गेश बजाज, अमित सिंह मोनू और विनय गौतम आदि मौजूद रहे। योगी ने इसके पूर्व प्रात:काल के पूजन सत्र में मंदिर में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना की।

भाजपा को सत्ता से हटाने को सपा करेगी क्रांति: शिवपाल

इटावा, 11 अक्टूबर (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से हटाने लिए क्रांति चलाने पर विचार कर रही है।

श्री यादव ने सैफई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, मेरी राष्ट्रीय अध्यक्ष से गुजारिश है कि वह जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति की तरह भारतीय जनता पार्टी को हटाने के लिए नई क्रांति चलाएं। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ में जयप्रकाश नारायण की मूर्ति पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को माल्यार्पण करने से रोकना दमनकारी कदम है,जिसे कहीं से भी न्यायोचित नहीं कहा जा सकता है।

एआरटी हाउसिंग फाइनांस (इंडिया) लिमिटेड

(पूर्व में एआरटी एफर्डेबल हाउसिंग फाइनांस (इंडिया) लिमिटेड विदित)
पंजी. कार्यालय : 107, प्रथम तल, बेस्ट स्काई टावर, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली-110034
शाखा कार्यालय : 49, उद्योग विहार, फेज-4, गुरूग्राम, हरियाणा - 122015

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना

सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 2(1) (एम) (iv) के अंतर्गत **एआरटी हाउसिंग फाइनांस (इंडिया) लिमिटेड**, एक वित्तीय संस्थान जिसका पंजीकृत कार्यालय 107, बेस्ट स्काई टावर, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली-110034 में हैं। इसके बाद (**"प्रतिभूत क्रेडीटर"वर्णित**) नीचे दिए गए ऋण खाता संख्या में वर्तमान सूचना दे रहे हैं। जिसे गैर-निष्पादित संपत्ति **(एनपीए)** दि.**06.10.2024** घोषित किया गया था।

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ऋणधारक एवं सह-ऋणधारक का नाम	ऋणधारक एवं सह-ऋणधारक का पता	प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का पता	मांग सूचना 13(2) की तिथि	बकाया राशि
1.	LNBSR01518-190006333	ओम प्रकाश छीपी और ज्योति देवी और ब्रिज मोहन छिप्पी	वीपीओ-फतेहपुर, पानी की टंकी के पास, तहसील-बानसूर, जिला - अलवर, राजस्थान - 301402 और पट्टा संख्या 43, गांव-फतेहपुर, पंचायत-मोटूका, तहसील - बानसूर, जिला-अलवर, राजस्थान - 301402 पर स्थित है।	संपत्ति पट्टा सं. 43, गांव-फतेहपुर, पंचायत-मोटूका, तहसील-बानसूर, जिला-अलवर, राजस्थान में स्थित- 301402 (माप 84.44 वर्ग गज)	07.10.2024	रू. 8,78,750/- (आठ लाख अठहत्तर हजार सात सौ पचास रूपये मात्र) दिनांक 05.10.2024 तक

संबोध्य व्यक्तियों को एतद्द्वारा निर्देश दिया जाता है कि इस सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर उक्त राशि का भुगतान करें अन्यथा एएचएफएल यहां वर्णित प्रतिभूत परिसम्पत्तियों में दी गई प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विरुद्ध प्रतिभूति हित के प्रवर्तन के अपने अधिकारों का प्रयोग करने के लिये बाध्य होगा। यह सूचना एएचएफएल को उपलब्ध किसी अन्य अधिकार के प्रति उपचार रहित है।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिये उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

दिनांक : 12.10.2024 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : बानसूर (राजस्थान) — एआरटी हाउसिंग फाइनांस (इंडिया) लिमिटेड

उज्जैन में पूर्व पार्षद की गोली मारकर हत्या, पत्नी और दो बेटे हिरासत में

भोपाल, 11 अक्टूबर (वेब वार्ता)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में शुक्रवार को एक कांग्रेस नेता और पूर्व पार्षद की उनके आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हाजी कलीम खान उर्फ गुड्डू (60) के रूप में हुई है। हाजी कलीम खान की नीलगंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत वजीर पार्क कॉलोनी में सुबह करीब पांच बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि पड़ोसी खान को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पड़ोसियों ने पुलिस को हत्या की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस की टीम और अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने खान की पत्नी और उनके दो बेटों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। शुरुआती जांच से पता चला है कि यह हत्या परिवार में भूमि विवाद के कारण हुई है। खान की पत्नी नीलोफर और उनके दो बेटे दानिश और आसिफ पिछले कुछ वर्षों से अलग रह रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, खान ने करीब एक दशक पहले अपनी पत्नी और दो बेटों को घर से निकाल दिया था, जिस वजह से परिवार में विवाद हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार परिवार में विवाद की कई घटनाएं हुई हैं। खान के मैटरनल अंकल ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और हत्या के लिए उनकी पत्नी और दो बेटों को जिम्मेदार ठहराया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मीडियाकर्मियों को बताया, पत्नी और दो बेटों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, कुछ दिन पहले भी खान की हत्या का प्रयास किया गया था। जब उन पर गोलियां चलाई गई थीं तब वह एक नाले में कूदकर बच गए थे। 4 अक्टूबर को हमले में बचने के बाद खान ने स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी और अपनी जान को खतरा बताया था।

वहीं कांग्रेस की राज्य इकाई ने दावा किया है कि यदि पुलिस ने समय रहते कार्रवाई की होती तो यह घटना नहीं होती।

पटाखों के जखीरे में विस्फोट से आतिशबाज की मौत

प्रतापगढ़ (उप्र), 11 अक्टूबर (वेब वार्ता)। प्रतापगढ़ जिले में नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के जिरियामऊ में पटाखे के जखीरे में विस्फोट होने से एक मकान की दूसरी एवं तीसरी मंजिल ढह गईं और उसके मलबे में दबकर एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

थाना प्रभारी निरीक्षक अर्जुन सिंह ने शुक्रवार को बताया कि कटरा मेदनीगंज का निवासी मुखतार अहमद (55) लाइसेंसी आतिशबाज है और वह जिरियामऊ गांव में तीन मंजिला मकान बनाकर वहां सपरिवार रह रहा था।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

क्षेत्रीय कार्यालय (उत्तर)
1398, प्रथम तल, चाँदनी चौक,
दिल्ली-110006, दूरभाष: 011-41028985

ई-नीलामी बिक्री सूचना
(सरफेसी अधिनियम 2002 के तहत)

परिशिष्ट - IV - A [नियम 9(1) का प्रावधान देखें] अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्द्वारा जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों) एवं जमानती(यों) को सूचना दी जाती है कि प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका भैतिक/सांकेतिक कब्जा **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया**, प्रतिभूत लेनदार के अधिकृत प्राधिकारी द्वारा कर लिया गया है, नीचे वर्णित कर्जदार(रों) तथा जमानती(यों) से **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया** के बकाये की वसूली हेतु उसकी बिक्री **05.11.2024** को **"जहाँ है जैसा है", "जो है यही है" तथा "जो कुछ भी है वहीं है"** आधार पर की जायेगी। आरक्षित मूल्य तथा जमा धरोहर राशि (ईएमडी) सम्बद्ध सम्पत्तियों के विवरणों के सम्मुख प्रदर्शित है। बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया www.centralbankofindia.co.in अथवा https://ebkray.in/ में प्रावधानित लिंक देखें।

05.11.2024 को नीलामी की जाने वाली सम्पत्तियों का विवरण (15 दिवसीय सूचना)

क्र. सं.	शाखा का नाम	अधिकृत प्राधिकारी/सा.प्र.	खाते का नाम	सम्पत्ति का विवरण तथा स्वामी का नाम	मांग सूचना की तिथि एवं बकाया राशि (रु. लाख में)	कब्जे की तिथि एवं प्रकार	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली वृद्धि
1.	करोल बाग नई दिल्ली	श्री अमोल पोखरना मोबाइल: 9999917126	हॉस्पिटलिटी एजुकेशन सर्विसेज इंटरनेशनल मालिक रोहित भाटिया	होटल एवं भूमि माप क्षेत्रफल 6767 वर्ग मीटर एम-2(आई), रीको औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है मुख्य एनएच-12, शाहजहाँपुर, जिला-अलवर, राजस्थान-301706. मालिक - मैसर्स शिव शक्ति होटल्स एण्ड रिसॉर्ट्स प्रा. लि.	30.12.2022 रू.3,73,71,337.92 + अन्य प्रभार प्रयोज्य कटौतियां/ पुनर्भुगतान	01.10.2024 (भौतिक कब्जा)	₹ 13,00,00,000/- / ₹ 1,30,00,000/- / ₹ 13,00,000/-

ई-नीलामी की तिथि: 05.11.2024, समय: 12:00 बजे दोपहर से 04:00 बजे सायं तक 10 मिनट के स्वतः विस्तार सहित

ईएमडी तथा दस्तावेज (ऑनलाइन) जमा करने की अन्तिम तिथि तथा समय: 04.11.2024 को 04:00 बजे अप. तक। संविदाकार वेबसाइट: https://ebkray.in/ पर पंजीकरण करेंगे तथा केवाईसी दस्तावेज जमा करेंगे और सेवा प्रदाता द्वारा दस्तावेजों के सत्यापन के बाद एनईएफटी/आरटीजीएस/ ट्रांसफर/ (https://ebkray.in/) से चालान उत्पन्न करने के माध्यम से Ebkray ईएमडी वॉलेट में जमा करना होगा। नीलामी सामान्य लैंडिंग प्लेटफॉर्म ई-बिक्रय पोर्टल (https://ebkray.in/) के माध्यम से आयोजित की जायेगी। ई-नीलामी "जहाँ है जैसे है", "जो है यही है" तथा "जो कुछ भी है वहीं है" आधार पर आयोजित की जायेगी। (सम्पत्ति के अन्य सभी शुल्क/बकाया क्रेता द्वारा वहन किए जाएंगे) विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट: www.centralbankofindia.co.in अथवा नीलामी प्लेटफार्म (https://ebkray.in/) में प्रावधानित लिंक देखें। Ebkray हेल्पलाइन नं.: +91 8291220220, ई-मेल: support.ebkray@psballiance.com

सरफैसी अधिनियम, 2002 के नियम 9(1) के तहत वैधानिक 15 दिन की बिक्री सूचना

कर्जदार/ जमानतियों/ बंधककर्ताओं को एतद्द्वारा ई-नीलामी की तिथि से पूर्व अद्यतन ब्याज एवं अनुषंगी व्ययों सहित उपर्युक्त राशि अदा करने के लिये अधिसूचित किया जाता है जिसमें असफल होने पर सम्पत्ति की नीलामी/बिक्री की जायेगी और शेष बकाया, यदि कोई हो, ब्याज तथा लागतों सहित वसूल किया जायेगा।

दिनांक: 11.10.2024 — प्राधिकृत अधिकारी, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया,
स्थान: नई दिल्ली — क्षे. का. दिल्ली (उत्तर), चाँदनी चौक, दिल्ली

स्वत्वाधिकारी स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक युवराज सिंह के लिए सोनू वेब ऑफसेट, नीदड़ मोड़ के सामने, हरमाड़ा-सीकर रोड, जयपुर से मुद्रित व कार्यालय दुकान नं. 1 वार्ड नं. 1, इण्डियन मेडिकल हॉल के पास, हमीन्दपुर रोड़, बहरोड़, जिला-अलवर (राजस्थान) से प्रकाशित। संपादक युवराज सिंह, पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों से सम्पादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय सम्बन्धी सभी मामले जयपुर में निपटाये जायेगें। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना पूर्णत: व आंशिक व पूर्ण प्रकाशन पूर्णत: प्रतिबन्धित है। सम्पादक-युवराज सिंह। मो. नम्बर: 9829410051 ई-मेल-yuvrajsinghh@gmail.com